कार्यालय श्री साँवलियाजी मंदिर मण्डल

मण्डफिया, जिला–चित्तौडगढ

बैठक कार्यवाही विवरण

तकनीकी समिति बैठक दिनांक 14.05.2014

माननीय श्री भेरूलाल जी गुर्जर, अध्यक्ष, श्री सांवलियाजी मन्दिर मण्डल, मण्डफिया की अध्यक्षता में दिनांक 14.05.2014 को श्री सांविलयाजी मन्दिर विकास एवं विस्तार हेतु तकनीकी समिति की बैठक का आयोजन मुख्य मंदिर परिसर के मेन गेट के ऊपर हाल में किया गया जिसमें निम्न बोर्ड सदस्यों, तकनिकी समिति के सदस्यों एवं मंदिर मण्डल के अधिकारियों ने भाग लिया–

1. श्री हरजी लाल अटल, मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं सदस्य सचिव, श्री सांवलियाजी मन्दिर बोर्ड, मण्डफिया
2. श्री मनोहरलाल सोनी, सदस्य, श्री सांवलियाजी मन्दिर बोर्ड, मण्डफिया
3. श्री ममतेश शर्मा, सदस्य, श्री सांवलियाजी मन्दिर बोर्ड, मण्डफिया
4. श्री श्रीलाल पाटीदार, सदस्य, श्री सांवलियाजी मन्दिर बोर्ड, मण्डफिया
5. श्री भंवरदास वैष्णव, सदस्य, श्री सांवलियाजी मन्दिर बोर्ड, मण्डफिया
6. श्री शोभालाल गायरी, सदस्य, श्री सांवलियाजी मन्दिर बोर्ड, मण्डफिया
7. श्री बी.जी. शर्मा, मुख्य तकनीकी सलाहकार, श्री सांवलियाजी मन्दिर एवं परिसर विकास योजना
8. श्री जी.एस. टाँक, मुख्य प्रोजेक्ट इंजीनियर, श्रीसांवलियाजी मन्दिर एवं परिसर विकास योजना
9. श्री सी. बी. सोमपुरा, मन्दिर वास्तुकार, श्री सांवलियाजी मन्दिर
10. श्री भगवानलाल चतुर्वेदी, प्रशासनिक अधिकारी,श्री सॉवलियाजी मंदिर मण्डल,मण्डफिया
11. श्री दिनेश चन्द्र व्यास, सहायक अभियन्ता, श्री सांवलियाजी मन्दिर मण्डल, मण्डफिया
12. श्री अकबर अली, सहायक अभियन्ता, विद्युत, श्री सांवलियाजी मन्दिर
13. संवेदक श्री परेश भाई सोमपुरा, सोमपुरा मार्बल्स, पिण्डवाडा
14. संवेदक श्री अनिल मालवीया, मै0 मालविया क्राफ्ट,आबूरोड
15. संवेदक श्री ऐशेश्वर साहनी, मै0 साहनी इलैक्ट्रिकल्स, उदयपुर

सर्वप्रथम तकनीकी कमेटी की बैठक में पूर्व में किए गए कार्यो पर चर्चा की गई।

एवं विचार–विमर्श उपरान्त निम्न बिन्दुओं पर निम्नानुसार निर्णय लिया गया–

<u>प्रस्ताव संख्या–(1)–</u> मंदिर कॉरीडोर में फर्श पर लगाये जाने वाले पत्थर के सम्बन्ध में विचार–विमर्श –

अध्यक्ष महोदय द्वारा बैठक में अवगत कराया कि मन्दिर में निर्माणरत कॉरीडोर के फर्श निर्माण का कार्य अधूरा पडा हुआ है कॉरीडोर निर्माण हेतु पूर्व में सम्पादित निविदा प्रक्रिया में कार्यादेश अनुसार कॉरीडोर के फर्श पर 25mm मोटाई का कोटा स्टोन/केसरियाजी ग्रीन मार्बल जाना प्रस्तावित है परन्तु आदिनांक तक आयोजित विभिन्न तकनीकी समिति/बोर्ड बैठकों में कोटा स्टोन/केसरियाजी ग्रीन मार्बल लगाने पर एक राय नही बन पाई है। जिससे निर्णय लेने में विलम्ब हो रहा है। इस पर सहायक अभियन्ता द्वारा तकनीकी समिति के समक्ष अवगत कराया कि पूर्व बैठक दिनांक 28.04.14 को बोर्ड द्वारा 20mm मोटाई के उदयपुर पिंक संगमरमर का अनुमोदन किया गया। उक्त अनुमोदन किये गये 20mm मोटाई के उदयपुर पिंक संगमरमर पत्थर का नमूना तकनीकी समिति के समक्ष अवलोकनार्थ प्रस्तुत किया गया। तकनीकी समिति एवं बोर्ड द्वारा पत्थर के अवलोकन उपरान्त उक्त 20mm मोटाई के उदयपुर पिंक संगमरमर पत्थर (कम घिसाई प्रकृति का होने एवं 20mm पत्थर की उपलब्धता अधिक होने से) लगाने की स्वीकृति प्रदान की गई तथा निर्णय लिया गया कि कोरीडोर में अनुमोदित मॉडल के अनुसार उक्त 20mm मोटाई उदयपुर पिंक संगमरमर पत्थर मय सफेद संगमरमर पत्थर के बार्डर सहित लगवाया जावे। इस हेतु बैठक में उपस्थित संवेदक मै0 सोमपुरा मार्बल्स, पिण्डवाडा एवं मै0 मालवीया क्राफ्ट, आबूरोड द्वारा पूर्व की स्वीकृत दरों पर उक्त 20mm मोटाई उदयपुर पिंक संगमरमर पत्थर मय सफेद संगमरमर पत्थर के बार्डर सहित लगाने की सहमति प्रदान की गई। साथ ही कोरीडोर के प्रवेश द्वार के आगे हॉल में भी उक्त पत्थर लगाने का तकनीकी समिति द्वारा सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। इस कार्य के शीघ्र निष्पादन हेतु मुख्य कार्यपालक अधिकारी को अधिकृत किया जाता है।

<u>प्रस्ताव संख्या–(2)–</u> मंदिर परिसर में निर्माणाधीन कॉरीडोर एवं प्रवेश द्वार के निर्माण की समीक्षा

1. श्री बी0 जी0 शर्मा, मुख्य तकनीकी सलाहकार, श्री सांवलियाजी मन्दिर एवं परिसर विकास योजना द्वारा बैठक में अवगत कराया कि कोरीडोर के हॉल में लगे पिलर की मोटाई कोरीडोर की तुलना में कम प्रतीत होने से अब पिलर के ऊपर बंशी

पहाडपुर पत्थर लगाया जा रहा है परन्तु उक्त पद्धति एवं डिजाईन अनुसार लगाये जाने पत्थर के भुगतान के सम्बन्ध में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। भुगतान के सम्बन्ध में मन्दिर मण्डल के सहायक इंजीनियर श्री दिनेश चन्द्र व्यास से चर्चा की गई। श्री व्यास द्वारा तकनीकी समिति को अवगत कराया गया कि संवेदक द्वारा पिलर के ऊपर लगाये जाने वाले पत्थर के आयतन में से पिलर का आयतन घटा कर ही भुगतान किया जाना उचित है। इस पर तकनीकी समिति द्वारा निर्णय लिया गया कि संवेदक को आरसीसी पिलर के ऊपर लगाये जाने वाले पत्थर के आयतन में से आरसीसी पिलर का आयतन घटा कर Measurment अनुसार ही भुगतान किया जावे। इस हेतु मुख्य कार्यपालक अधिकारी को अधिकृत किया जाता है।

2. श्री बी0 जी0 शर्मा, मुख्य तकनीकी सलाहकार, श्री सांवलियाजी मन्दिर एवं परिसर विकास योजना द्वारा बैठक में अवगत कराया मन्दिर मुख्य प्रवेश द्वार का कार्य अभी तक प्रारम्भ नही किया गया है। इस पर मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा मन्दिर मण्डल के सहायक अभियन्ता से जानकारी चाही गई। सहायक अभियन्ता द्वारा समिति को अवगत कराया कि श्री सी.बी. सोमपुरा, मन्दिर वास्तुकार द्वारा मन्दिर मुख्य द्वार का डिजाईन उपलब्ध करा दिया गया है परन्तु Specification के अभाव में निविदा जारी नही की जा सकी। इस पर बाद विचार विमर्श तकनीकी समिति द्व ारा निर्णय लिया गया कि मुख्य द्वार की डिजाईन मय Specification श्री सी.बी. सोमपुरा, मन्दिर वास्तुकार दिनांक 25.05.2014 तक उपलब्ध करावें तत्पश्चात् निविदा जारी जावे। इस कार्य के निष्पादन हेतु मुख्य कार्यपालक अधिकारी अधिकृत किये जाते है।

3.

<u>प्रस्ताव संख्या–(3)–</u> **कोरीडोर के ऊपर छत पर नारदे लगाने के सम्बन्ध में विचार विमर्श–**

अध्यक्ष महोदय द्वारा बैठक में अवगत कराया कि कोरीडोर के ऊपर छत पर नारदे नही होने से बरसात में पानी भरने की स्थिति उत्पन्न हो रही है। जिससे कोरीडोर की छत खराब होने से इसका निराकरण कराना अत्यावश्यक है। इस पर बैठक में उपस्थित श्री बी0 जी0 शर्मा, मुख्य तकनीकी सलाहकार, श्री सांवलियाजी मन्दिर एवं परिसर विकास योजना द्वारा नारदे के सम्बन्ध में मन्दिर वास्तुकार श्री सी.बी. सोमपुरा से जानकारी चाही गई। श्री सोमपुरा द्वारा समिति को अवगत कराया गया कि नारदे का डिजाईन पूर्व में

सहायक अभियन्ता को भिजवाया जा चुका है एवं बोर्ड द्वारा उक्त डिजाईन का अनुमोदन किया जा चुका है जबकि दोनो संवेदकों द्वारा अभी तक उक्त कार्य प्रारम्भ नही किया गया है। बाद विचार विमर्श तकनीकी समिति द्वारा निर्णय लिया गया कि उक्त अनुमोदित डिजाईन अनुसार दोनो संवेदकों द्वारा नारदे लगाने का कार्य शीघ्र प्रारम्भ कर 15.06.2014 तक कार्य पूर्ण करना सुनिश्चित किया जावे। इस कार्य के शीघ्र निष्पादन हेतु मुख्य कार्यपालक अधिकारी को अधिकृत किया जाता है।

<u>प्रस्ताव संख्या–(4)–</u> **कोरीडोर की दीवारो पर कांच के कार्य के सम्बन्ध में विचार विमर्श –**

अध्यक्ष महोदय द्वारा बैठक में अवगत कराया कि मन्दिर कोरीडोर का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है एवं कोरीडोर की दीवारों पर पूर्व बोर्ड बैठकों एवं तकनीकी समिति द्वारा लिए गये निर्णय अनुसार कांच का कार्य करवाया जाना प्रस्तावित है। चूंकि इस सम्बन्ध में पूर्व में तत्कालीन मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा कांच के कार्य हेतु प्रस्ताव मांगे गये थे जिस पर उपस्थित पांच संवेदकों द्वारा प्रत्येक पैनल में अलग–अलग प्रकार के पांच मॉडल सेम्पल के रूप में तैयार किये गये चूंकि सम्पूर्ण कोरीडोर में कांच का कार्य करवाया जाना अभी भी बाकी है एवं शीघ्र ही इस कार्य को सम्पादित करवाया जाना है ताकि कोरीडोर को पूर्णरूपेण मूर्तरूप प्रदान किया जा सके। इस पर तकनीकी समिति एवं उपस्थित बोर्ड द्वारा उक्त पांचों पैनल का अवलोकन कर अनुमोदन उपरान्त निर्णय लिया गया कि कोरीडोर में जिन संवेदकों द्वारा कांच के कार्य के सेम्पल बनाये गये है उन सभी संवेदकों को सम्पूर्ण कोरीडोर में एक समान मात्रा में कार्य वितरित कर अलग–अलग कांच की पिच्चीकारी एवं चित्रकारी करने का कार्यादेश जारी किया जावें व कांच के काम के चारों तरफ सफेद संगमरमर पत्थर का बार्डर तैयार करवाया जावे तथा नीचे की तरफ फर्श से तीन फीट ऊंचाई तक (कांच के काम के प्रारम्भिक बिन्दु तक) हरा ग्रेनाईट नही लगाया जाकर तकनीकी समिति द्वारा स्वीकृत उदयपुर पिंक मार्बल पत्थर लगाया जावे। इस कार्य के शीघ्र निष्पादन हेतु मुख्य कार्यपालक अधिकारी को अधिकृत किया जाता है।

<u>प्रस्ताव संख्या–(5)–</u> **मन्दिर परिसर के कॉरीडोर, हॉल एवं एन्ट्रेन्स लॉबी में लगायी जाने वाले दरवाजों, खिडकियों एवं अन्य फर्नीचर कार्य के सम्बन्ध में विचार विमर्श –**

अध्यक्ष महोदय ने अवगत कराया कि पूर्व में कॉरीडोर, हॉल एवं एन्ट्रेन्स लॉबी में लगाये जाने वाले दरवाजों, खिडकियों आदि को एल्यूमिनियम/शीशम की लकडी से

बनवाने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया था परन्तु एल्यूमिनियम निर्मित दरवाजे, खिडकियां मन्दिर शोभा के अनुरूप नही होने एवं शीशम की लकडी की उपलब्धता कम होने व लागत अधिक आने से एक राय नही बन पाई। इस पर तकनीकी समिति द्वारा एल्यूमिनियम के उपयोग पर तथा शीशम की दरें सागवान की लकडी से अधिक होने से शीशम के इस्तेमाल पर असहमति जताई गई तथा निर्णय लिया गया कि सागवान की लकडी प्रर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होने के साथ इसकी दरें भी शीशम की लकडी से कम है अतः दरवाजो, खिडकिया आदि अन्य फर्नीचर बनाने में सागवान की लकडी उपयोग में लायी जावे चूंकि श्री सी.बी. सोमपुरा, मन्दिर वास्तुकार द्वारा फर्नीचर का डिजाईन फाईनल कर भिजवाया जा चुका है जिसका अनुमोदन कर तकनीकी समिति द्वारा स्वीकृति प्रदान की जाती है इस कार्य के शीघ्र निष्पादन हेतु मुख्य कार्यपालक अधिकारी को अधिकृत किया जाता है।

<u>प्रस्ताव संख्या–(6)–</u> **यात्री सुविधाओं हेतु बेरिकेडिंग व्यवस्था कराने, बेरिकेडिंग के ऊपर फाईबर शीट से छाया कराने एवं फर्श पर टाईल्स लगाने पर विचार विमर्श –**

अध्यक्ष महोदय द्वारा बैठक में अवगत कराया कि भगवान श्री सांवलियाजी के दर्शन हेतु आने वाले यात्रियों के व्यवस्थित दर्शन करने हेतु लाईनवार दर्शन की व्यवस्था की जाना उचित होगा क्योंकि मेले एवं अन्य विशेष अवसरों पर भीड अधिक होने से सभी यात्री एक साथ मुख्य द्वार से दर्शन हेतु प्रवेश करते है तो किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना होने की सम्भावना बनी रहती है। अतः यात्रियों हेतु मन्दिर की सीढियों (गरूडजी के मन्दिर से) से परिसर के आगे से प्रारम्भ कर ओझाजी का कुआं से होते हुए पथवारियान कुई की फाटक तक लोहे की रेलिंग तथा लगवाई जाना उचित होगा साथ ही अध्यक्ष महोदय द्वारा उक्त रेलिंग के ऊपर छाया हेतु फाईबर शीट एवं फर्श पर पत्थर लगाने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। इस हेतु सहायक अभिन्यता से बेरिकेडिंग प्लान पर चर्चा की गई। बाद विचार विमर्श गया कि यात्री सुविधा हेतु डिजाईन अनुरूप लोहे की रेलिंग तथा रेलिंग के ऊपर फाईबर शीट/टाटा कलर शीट व फर्श पर निम्बाहेडा स्टोन लगाने का तकनीकी समिति द्वारा निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। उक्त कार्य के डिजाईन शीघ्र तैयार करवाने हेतु मुख्य कार्यपालक अधिकारी को अधिकृत किया जाता है।

<u>प्रस्ताव संख्या–(7)–</u> मुख्य प्रवेश द्वार के ऊपर पीछे की तरफ(मन्दिर के सामने)की दीवारों पर क्लेडिंग के सम्बन्ध में विचार विमर्श –

श्री बी0 जी0 शर्मा, मुख्य तकनीकी सलाहकार, श्री सांवलियाजी मन्दिर एवं परिसर विकास योजना द्वारा बैठक में अवगत कराया गया कि मुख्य प्रवेश द्वार के ऊपर पीछे की तरफ(मन्दिर के सामने) की दीवारों पर क्लेडिंग कराया जाना शेष है। इस पर सहायक अभियन्ता द्वारा समिति को अवगत कराया गया कि उक्त निर्माण कार्य जी–शेड्यूल में सम्मिलित नही होकर अतिरिक्त है। इस पर तकनीकी समिति द्वारा उक्त क्लेडिंग कार्य बैठक में उपस्थित संवेदक मै0 सोमपुरा मार्बल्स, पिण्डवाडा एवं मै0 मालवीया क्राफ्ट, आबूरोड द्वारा कराये जाने बाबत् चर्चा की गई। जिस पर संवेदक मै0 मालवीया क्राफ्ट, आबूरोड द्वारा उक्त कार्य करने से इन्कार किया गया जबकि संवेदक मै0 सोमपुरा मार्बल्स, पिण्डवाडा द्वारा पूर्व की स्वीकृत दरों पर उक्त कार्य करने की सहमति प्रदान की गई इस पर तकनीकी समिति एवं उपस्थित बोर्ड द्वारा संवेदक मै0 सोमपुरा मार्बल्स, पिण्डवाडा को उक्त कार्य कराने हेतु अतिरिक्त कार्य का कार्यादेश जारी करने हेतु अधिकृत किया गया।

<u>प्रस्ताव संख्या–(8)–</u> गर्भगृह में लकडी एवं चांदी का कार्य एवं दान–पात्र पर चांदी का कार्य करवाने पर विचार विमर्श –

श्री बी0 जी0 शर्मा, मुख्य तकनीकी सलाहकार, श्री सांवलियाजी मन्दिर एवं परिसर विकास योजना द्वारा बैठक में अवगत कराया गया कि भगवान श्री सांवलियाजी के गर्भगृह में चांदी का कार्य अभी तक अधूरा पडा है तथा भगवान के दान–पात्र पर भी मन्दिर शोभा के अनुरूप चांदी का काम करवाया जाना आवश्यक है। इस पर प्रशासनिक अधिकारी द्वारा तकनीकी समिति को अवगत कराया कि पूर्व में निज मन्दिर का क्षैत्रफल बहुत कम था तथा वर्तमान डिजाईन एवं नक्शे अनुसार निज मन्दिर का क्षैत्रफल बढ गया है जिससे भगवान की मूर्ति के दोनो तरफ की दीवार खाली प्रतीत होती है। इस पर श्री सी.बी. सोमपुरा द्वारा तकनीकी समिति द्वारा अवगत कराया कि उक्त कार्य का डिजाईन सहायक अभियन्ता को उपलब्ध करा दिया गया है परन्तु एस्टीमेट के अभाव में टेण्डर जानी नही किये जा सके एवं मन्दिर में पूर्व में ही लकडी का दान–पात्र तैयार कर रखा हुआ है परन्तु दान–पात्र पर चांदी का कार्य कराया जाना बाकी है। बाद विचार विमर्श तकनीकी समिति द्वारा निर्णय लिया गया कि शीघ्र ही दोनो कार्य का एस्टीमेट तैयार करवाया जाकर

Item Rate अनुसार निविदा जारी की जावे एवं निविदा में निम्नानुसार Specification अंकित की जावे जैसे कि–

1. संवेदक को डिजाईन के अनुसार सम्पादित करना होगा।
2. लकडी के कार्य में सागवान की लकडी इस्तेमाल करनी होगी।
3. लकडी के कार्य पर चांदी का काम सुन्दरता के साथ करना होगा।
4. गर्भगृह में लकडी के डिजाईन एवं दान–पात्र पर किये जाने वाले चांदी के काम हेतु चांदी मन्दिर मण्डल द्वारा उपलब्ध करायी जाएगी इत्यादि.....

उक्तानुसार आवश्यक Specification श्री सी.बी. सोमपुरा, मन्दिर वास्तुकार दिनांक 25.05.2014 तक तैयार कर मुख्य कार्यपालक अधिकारी को उपलब्ध कराएंगे। इस कार्य के शीघ्र सम्पादन हेतु मुख्य कार्यपालक अधिकारी को अधिकृत किया जाता है।

<u>प्रस्ताव संख्या–(9)–</u> मन्दिर परिसर में म्यूजिकल फव्वारा एवं लाईट एवं साउण्ड सहित म्यूजिक सिस्टम का कार्य एवं टेण्डर प्रक्रिया का कार्य करना–

माननीय अध्यक्ष महोदय ने बैठक में अवगत कराया कि श्री सांवलियाजी भगवान के दर्शनार्थ आने वाले यात्रियों के मनोरंजन हेतु मन्दिर परिसर में म्यूजिकल फव्वारा एवं लाईट एवं साउण्ड सहित म्यूजिक सिस्टम लगाने का कार्य प्रारम्भ किया जाए जिससे भगवान के दर्शनार्थ आने वाले यात्री मन्दिर में अधिक से अधिक समय व्यतीत कर सकें इस पर श्री बी0 जी0 शर्मा, मुख्य तकनीकी सलाहकार, श्री सांवलियाजी मन्दिर एवं परिसर विकास योजना, द्वारा मुख्य कार्यपालक अधिकारी से इस विषय पर चर्चा की गई। मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा समिति को अवगत कराया गया कि भगवान श्री सांवलियाजी के एक भक्त श्री अमिताभ टेवटिया निवासी अहमदाबाद जोकि भगवान में अटूट आस्था रखते है और इस कार्य को स्वयं के खर्चे पर सम्पन्न कराने की इच्छा रखते है। अगर मन्दिर मण्डल इस कार्य को श्री अमिताभ टेवटिया निवासी अहमदाबाद से करवाने की इच्छा रखता है तो उनसे पुनः वार्ता की जा सकती है। इसी क्रम में मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा उसी समय श्री टेवटिया जी से मोबाईल पर वार्ता की गई। श्री टेवटियाजी द्वारा अवगत कराया गया कि आज भी इस पुनीत कार्य को करने की प्रबल इच्छा रखते है एवं इस हेतु दिनांक 25.05.14 के पश्चात् मन्दिर कार्यालय में इस सम्बन्ध चर्चा करने हेतु उपस्थित होना चाहते है।

श्री जी. एस. टॉक, मुख्य अभियन्ता ने अवगत कराया कि मन्दिर परसिर में लगने वाला म्यूजिकल फव्वारा एवं लाईट एवं साउण्ड सहित म्यूजिक सिस्टम इस प्रकार का हो कि भगवान की सुबह–शाम होने वाली आरती की ध्वनि के साथ कार्य करे। इस पर तकनीकी समिति द्वारा सर्वसम्मति से निर्णय लिया जाकर श्री टेवटियाजी से वार्ता करने एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु मुख्य कार्यपालक अधिकारी को अधिकृत किया जाता है।

<u>प्रस्ताव संख्या–(10)–</u> चामुण्डा माताजी के मंदिर के जीर्णोद्धार के सम्बन्ध में विचार विमर्श –

श्री बी0 जी0 शर्मा, मुख्य तकनीकी सलाहकार द्वारा चामुण्डा माताजी मन्दिर के बारे में विस्तृत चर्चा की गई। इस पर अध्यक्ष महोदय द्वारा अवगत कराया गया पूर्व बोर्ड द्व ारा मन्दिर परिसर में दो नवीन मन्दिरों का निर्माण कराया गया जिसमें चामुण्डा माताजी की प्रतिमा को नवीन निर्मित मन्दिरों में स्थापित किया जाना था। परन्तु मूर्ति प्रतिष्ठा के सम्बन्ध में बार–बार प्रत्येक बैठक में चर्चा एवं निर्णय के उपरान्त भी अभी तक उक्त दोनो मन्दिरों में मूर्ति की प्राण–प्रतिष्ठा नही हो सकी है। जिससे मन्दिर के निर्माण कार्य में रूकावट/देरी हो रही है। बाद विचार विमर्श तकनीकी समिति द्वारा यह निर्णय लिया गया कि चामुण्डा माताजी की मूर्ति वर्तमान में जहां स्थापित है उससे वहीं पर स्थापित रहने दिया जावे एवं वास्तुकला अनुसार मन्दिर भवन के डिजाईन में आवश्यक परिवर्तन कर लिया जावे। चामुण्डा माताजी मन्दिर भवन का अतिरिक्त कार्य करने हेतु संवेदक मै0 सोमपुरा मार्बल्स, पिण्डवाडा द्वारा पूर्व की स्वीकृत दरों उक्त निर्माण करने की सहमति प्रकट की। बाद विचार विमर्श तकनीकी समिति द्वारा निर्णय लिया गया कि उक्त चामुण्डा माताजी मन्दिर का अतिरिक्त कार्य संवेदक मै0 सोमपुरा मार्बल्स, पिण्डवाडा से पूर्व की स्वीकृत दरों पर सम्पादित कराया जावे। इस कार्य के शीघ्र निष्पादन हेतु मुख्य कार्यपालक अधिकारी को अधिकृत किया जाता है।

<u>प्रस्ताव संख्या–(11)–</u> कोरीडोर के मुख्य द्वार अन्य तीन गेट के निर्माण कार्य के सम्बन्ध में।

अध्यक्ष महोदय द्वारा बैठक में अवगत कराया गया कि मन्दिर के मुख्य द्वार एवं अन्य गेट का कार्य अभी तक प्रारम्भ नही हो पाया है। इस पर मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा सहायक अभियन्ता से जानकारी चाही गई। सहायक अभियन्ता द्वारा समिति को

अवगत कराया कि श्री सी.बी. सोमपुरा, मन्दिर वास्तुकार द्वारा मन्दिर मुख्य द्वार का डिजाईन उपलब्ध करा दिया गया है परन्तु Specification के अभाव में निविदा जारी नही की जा सकी। इस पर बाद विचार विमर्श निर्णय लिया गया कि मुख्य द्वार एवं अन्य तीन गेट जोकि लकडी से निर्मित किये जाने है की डिजाईन मय Specification श्री सी.बी. सोमपुरा, मन्दिर वास्तुकार दिनांक 25.05.2014 तक उपलब्ध करावें तत्पश्चात् निविदा जारी जावे। इस कार्य के निष्पादन हेतु मुख्य कार्यपालक अधिकारी अधिकृत किये जाते है।

<u>प्रस्ताव संख्या–(12)–</u> मन्दिर परिसर, कोरीडोर एवं आस–पास के परिक्षैत्र में विद्युतीकरण के सम्बन्ध में।

मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा बैठक में श्री अकबर अली, सहायक अभियन्ता विद्युत, मन्दिर विकास योजना से **मन्दिर परिसर, कोरीडोर एवं आस–पास के परिक्षैत्र में विद्युतीकरण करने के सम्बन्ध में जानकारी चाही गई।** जिस पर श्री अकबर अली, सहायक अभियन्ता विद्युत द्वारा समिति को अवगत कराया गया कि मन्दिर एवं परिक्षैत्र की विद्युत साजसज्जा हेतु निम्न कार्य कराये जाना नितान्त आवश्यक है–

1. मन्दिर पर लाईटिंग करने हेतु लाईटिंग अरेस्टर लगाया जावे जिसकी अनुमानित लागत 2.50 लाख का एस्टीमेट बताया गया।
2. मन्दिर परिक्षैत्र के निम्न स्थानों पर हाईमास्क लाईट लगायी जावे यथा–(1) परिसर में दो (2) प्रवेश द्वार पर दो (3) मीरा सर्किल पर एक (4) भादसोडा चौराहे पर एक (5) आवरी माताजी चौराहे पर एक व (6) यशोदा विहार परिसर में हाईमास्क लाईट लगाई जानी आवश्यक है इस हेतु अनुमानित लागत 30.00 लाख का एस्टीमेट बताया गया।
3. कोरीडोर के बाहर की तरफ LED लाईट लगाकर विद्युतीकरण किया जाने जिस हेतु अनुमानित लागत 30.00 लाख का एस्टीमेट बताया गया।
4. भविष्य में बिजली की अधिक खपत को देखते हुए विद्युत सब–स्टेशन का निर्माण कराया जाना जिसकी अनुमानित लागत 22.00 लाख का एस्टीमेट बताया गया।
5. जनरेटर कक्ष में मैन पैनल व पॉवर करेक्शन पैनल लगाया जाना जिसकी अनुमानित लागत 4.00 लाख का एस्टीमेट बताया गया।

उक्त क्रम संख्या 1 से 5 तक समस्त विद्युत सम्बन्धी कार्य अविलम्ब कराये जाने हेतु तकनीकी समिति द्वारा अपनी स्वीकृति प्रदान की गई एवं निर्णय लिया गया कि श्री

अकबर अली, सहायक अभियन्ता विद्युत उक्त सभी कार्यो का एस्टीमेट तैयार कर मुख्य कार्यपालक अधिकारी को प्रस्तुत करें ताकि निविदा जारी करने की अग्रिम आवश्यक कार्यवाही अमल में लायी जा सके। साथ ही मंदिर परिक्रमा पथ में किस तरह की लाईट्स लगाई जानी है जिनके चयन हेतु एक समिति गठित करने तथा उपरोक्त कार्यों का शीघ्र निष्पादन हेतु मुख्य कार्यपालक अधिकारी को अधिकृत किया जाता है।

<u>प्रस्ताव संख्या–(13)–</u> श्रीसॉवलियाजी मंदिर मुख्य प्रवेश द्वार व कोरीडोर परिक्रमा पथ के विद्युत कार्य के कम में विचार विमर्श –

तकनिकी समिति की बैठक में श्री अकबर अली, सहायक अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया कि श्रीसॉवलियाजी मंदिर मुख्य प्रवेश द्वार व कोरीडोर परिक्रमा पथ में विद्युत कार्य का ठेका संवेदक साहनी इलेक्ट्रीकल्स, न्यू भोपालपुरा, उदयपुर को इस कार्यालय के कार्यादेश कमांक/लेखा/चित्तौड/2012/65 दिनांक 17.07.2012 को दिया गया था । संवेदक द्वारा लगभग विद्युत कार्य पूर्ण कर लिया गया है, परन्तु मंदिर मुख्य प्रवेश द्वार व परिक्रमा पथ में बने हॉल,खिडकियॉ व दरवाजे इत्यादि लगाये जाना शेष है तथा रंग रोगन कराया जाना भी बाकी होने से ट्यूबलाईट्स वर्तमान में लगाये जाना उचित नहीं होगा । संवेदक का कार्य पूर्ण होने से ट्यूबलाईट्स इत्यादि सामग्री स्टोर में सुरक्षित रखवाई जाकर सवेंदक का अन्तिम बील बनाया जाकर भुगतान हेतु प्रस्तुत किया जाना प्रस्तावित है।

जिस पर बैठक में विचार विमर्श किया जाकर निर्णय लिया गया कि संवेदक द्वारा श्रीसॉवलियाजी मंदिर मुख्य प्रवेश द्वार व कोरीडोर परिक्रमा पथ में किये गये समस्त कार्य का अन्तिम बील भुगतान हेतु प्रस्तुत किया जावें ।

तत्पश्चात् बैठक कार्यवाही सधन्यवाद समाप्त की गई।

मुख्य कार्यपालक अधिकारी
श्री सांवलियाजी मन्दिर मण्डल
मण्डफिया, जिला–चित्तौड़गढ़